

तारीख हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुक्म की तालीम
में जारी हुए

28.8.17 हुक्म जारी पेसी देने पर पत्रावली आज पेश हुई।

~~अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी~~
~~दौर पर/ अन्य कार्य में व्यस्त~~
दिनांक 16.10.17 को पेश हो।

16/10/17

पत्रावली पेश हुई। वकूलाग उप.
अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी
दौर पर/ अन्य कार्य में व्यस्त।
पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा
दिनांक 22.12.17 को पेश हो

22/12/17

पत्रावली पेश हुई। वकूलाग उप.
अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी
दौर पर/ अन्य कार्य में व्यस्त।
पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा
दिनांक 23.3.18 को पेश हो

23.3.18

पत्रावली पेश हुई। वकूलाग उप.
अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी
दौर पर/ अन्य कार्य में व्यस्त।
पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा
दिनांक 8.6.18 को पेश हो

21/08/18

~~हुक्म जारी पेसी देने पर~~
पत्रावली पेश हुई। वकूलाग उप.
अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी
दौर पर/ अन्य कार्य में व्यस्त।
पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा
दिनांक 30/11/18 को पेश हो

02/19

~~हुक्म जारी पेसी देने पर~~
पत्रावली पेश हुई। वकूलाग उप.
अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी
दौर पर/ अन्य कार्य में व्यस्त।
पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा
दिनांक 22/5/19 को पेश हो

22/5/19

पत्रावली पेश हुई। वकूलाग उप.
अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी
दौर पर/ अन्य कार्य में व्यस्त।
पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा
दिनांक 05/07/19 को पेश हो

05/07/19

पत्रावली पेश हुई। वकूलाग उप.
अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी
दौर पर/ अन्य कार्य में व्यस्त।
पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा
दिनांक 26/08/19 को पेश हो

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो हुक्म की तारीख में जारी हुए
26 ⁰⁸ / ₁₉	<p>पत्रावली पेश हुई। वकालत उप. अनुपस्थित / पीठासीन अधिकारी को पत्र / अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली को आदेशानुसार आदेश दिनांक-25/10/19 को पेश हो।</p>	
25 ¹⁰ / ₁₉	<p>पत्रावली पेश हुई। वकालत उप. अनुपस्थित / पीठासीन अधिकारी को पत्र / अन्य कार्य में व्यस्त। पत्रावली को आदेशानुसार आदेश दिनांक-13/12/19 को पेश हो।</p>	
13 ¹² / ₁₉	<p>पत्रावली पेश हुई। प्रकरण में बार-बार आवेदन लगावानी गयी। बावजूद आवेदन लगावते पड़ना उच्चपक्ष अथवा पक्षकारन में से कोई भी दायित्व अदा नहीं आया है। अतः कार्यवाही प्रकरण अदालत एजरी एवं अदालत परवी में रखा गया जाता है। पत्रावली फौजदारी शुमार होकर नम्बर से कर होकर बाद तत्काल दाखिल दफ्तर हो। यह निर्णय आज दिनांक 13/12/19 को मेरे द्वारा खुले न्यायालय में सुनाया गया।</p>	



(राजीव सिंह)
 सहायक
 (फास्ट)